**04.08.2022 को आयोजित होने वाले 'नशे से आज़ादी कार्यक्रम' के लिए माननीय मंत्री जी का भाषण**

आज इस पावन अवसर पर मुझे अपने सम्मानित शिक्षण संस्थानों के माध्यम से इस देश के लोगों को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। आज इस मंच के माध्यम से हम सभी नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में बात करने के लिए जुड़े हुए हैं। हमें इस राष्ट्रीय स्तर के अभियान द्वारा किये गए कार्यों के महत्व को समझना चाहिए। हमें नशीले पदार्थों की मांग में कमी के बारे में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले अभियान की आवश्यकता क्यों है? हम नशा मुक्त भारत के संदेश को प्रचारित करने पर इतना ध्यान क्यों दे रहे हैं?

मादक द्रव्यों के सेवन के विकार देश के सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गंभीर समस्या है। किसी भी पदार्थ पर निर्भरता न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को भी प्रभावित करती है। विभिन्न मनो-सक्रिय पदार्थों के नियमित सेवन से व्यक्ति पर निर्भरता बढ़ती है। कुछ पदार्थ यौगिकों से न्यूरो-मनोरोग विकार हो सकते हैं, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां, साथ ही दुर्घटनाएं, आत्महत्याएं और हिंसा। इसलिए, मादक द्रव्यों के सेवन और निर्भरता को एक मनो-सामाजिक-चिकित्सा समस्या के रूप में देखा जाना चाहिए।

अधिकारियों से लेकर समुदाय तक के लोगों की यह जिम्मेदारी है कि हम सम्पूर्ण भारत को नशीली दवाओं के प्रति संवेदनशील बनाएं और नशा मुक्त भारत अभियान के अग्रदूत के रूप में, वर्तमान में मुझे इस वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस देश के युवाओं को संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। इस वीडियो कांफ्रेंस के अंतर्गत मैं अभियान के महत्व के बारे में चर्चा करूंगा। नशा मुक्त भारत अभियान आज से 2 साल पहले 15 अगस्त 2020 को उद्घाटित किया गया था, जिसका उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और समुदाय की एक ऐसी सेना बनाना था जो आत्मनिर्भर हो और मादक द्रव्यों के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखती हो। नुक्कड़ नाटकों, साइकिल रैलियों, प्रतियोगिताओं और वॉल पेंटिंग के रूप में अपने अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से अभियान ने मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों की अनुकूलता से प्रवेश किया है और एक क्रांति पैदा है।

यह क्रांति समाप्त नहीं होनी चाहिए, इसे और अधिक ऊर्जा मिलनी चाहिए और एक ऐसी आग पैदा करनी चाहिए जो उन लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त करे जो मादक द्रव्यों के सेवन के विकारों से प्रभावित हैं। इस अभियान के पथ प्रदर्शक के रूप में हमें एक जागरूक नागरिक बनना चाहिए और अपने अंदर सहानुभूति, साहस और सभी को साथ लेकर चलने के व्यवहार को विकसित करना चाहिए।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत, हम एक सुख शांति पूर्ण देश की कल्पना करना चाहते हैं, जहां सभी को इलाज की सुविधा, पुनर्वास तक पहुंच और बिना किसी भेदभाव और कलंक के सभी की बेहतरी के लिए एक समावेशी वातावरण मिले। मादक द्रव्यों के सेवन की इस सामाजिक समस्या को तमाम पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से हमारे देश के ताने-बाने में बुना गया है और इसे विभिन्न जनसंपर्क माध्यमों से लोकप्रिय बनाया गया है, जिसने इसे प्रभावित आबादी की दुर्दशा के प्रति असंवेदनशील बना दिया है। मेरा मानना है कि अक्सर यह कहा जाता है कि इस सामाजिक समस्या को समाप्त नहीं किया जा सकता है, लेकिन सामूहिक प्रयास से मैं वास्तव में एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना करता हूं जहां इस समस्या का समाधान होगा। हम इस अभियान के माध्यम से हर कदम के साथ इस लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

यदि हम निरंतर प्रयास से सती प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक समस्याओं को मिटा सकते हैं तो मेरा मानना है कि हम अपनी सामाजिक व्यवस्था के ताने-बाने से मादक द्रव्यों के सेवन को भी कम कर सकते हैं। सभी को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ एक साथ आना चाहिए और नशीली दवाओं के प्रति संवेदनशील देश के भविष्य में सहयोग करना चाहिए। सकारात्मक परिवर्तन के रूप में पानी की एक-एक बूंद से हम निश्चित रूप से क्रांति की लहर पैदा करेंगे।

**Speech of HMSJE for the Event Nashe se Azaadi to be held on 04.08.2022**

Today on this auspicious occasion, I am very happy to address the people of this nation through our esteemed educational institutions. I want to use this platform where we are connected to talk about NashaMukt Bharat Abhiyaan.

We must realise the significance of running this national level campaign. Why do we need a campaign focusing on generating awareness about drug demand reduction? Why are we so focused on propagating the message of a drug free india?

Substance use disorders are a serious problem adversely affecting the social fabric of the country. Dependence to any substance not only affects the individual's health but also disrupts their families and the whole society. Regular consumption of various psychoactive substances leads to dependence of the individual. Some substance compounds may lead to neuro-psychiatric disorders, cardiovascular diseases, as well as accidents, suicides and violence. Therefore, substance use and dependence needs to be viewed as a psycho-social-medical problem.

It is our responsibility from the bureaucrats to the community to individuals to make this India drug sensitised and as the torchbearers of NashaMukt Bharat Abhiyaan, currently I am pleased to address the youth of this nation through this video

conference. I will be discussing the importance of this campaign first. NashaMukt Bharat Abhiyaan was launched on 15th August 2020, almost 2 years ago with the aim of creating an army of youth, women and community who are self-reliant and well informed about the ill effects of substance use. The campaign through its innovative programmes in the form of nukkadnataks, cycle rallies, competitions and wall paintings have penetrated through the existing social conditioning and made a revolution.

This revolution should not die down, this should get more energy and create a fire that will light the way for those people who are affected by substance use disorders. As torchbearers for this abhiyaan we should become a well informed citizen and inculcate behaviour in ourselves such as empathy, courage and acceptance.

Under the NashaMukt Bharat Abhiyaan, we want to imagine aneutopian country where everyone gets treatment facility, access to rehabilitation and an inclusive environment for the betterment of everyone without discrimination and stigma. This social problem of substance abuse is weaved into the fabric of our country through traditional practices and has been popularised through mass media channels which has made it desensitised to the plight of the affected population. I believe that it is often stated that this social problem cannot be eradicated but through collective effort, I truly visualise a nation where this problem will be solved. We are moving towards this vision with every step we take through this Abhiyaan.

If we can eradicate social problems such as sati pratha and child marriage through continuous effort, I believe that we can also remove the impact of substance use from the fabric of our social settings. Everyone should come together with a strong will and believe in the future of a drug sensitised country. With every drop of water, we will surely create a wave of change.